विकासशील राज्य शोध केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संश्लेषण

(डी सी आर सी हिन्दी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्य: 'स्वाधीनता का अमृत महोत्सव : भारत @ 75'

15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ भारत समस्त भारतीयों के लिए नव-आकांक्षाओं का प्रतीक था। पराधीनता के सैकड़ों वर्षों में अपने स्वर्णिम अतीत को न्यूनाधिक रूप में विस्मृत कर चुके भारतीयों के लिए यह उस अतीत तथा उससे संबद्ध सांस्कृतिक अस्मिता को पुनर्जीवित कर, एक नए भारत के निर्माण की ओर अग्रसर होने का अवसर था। यही कारण है कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत के नेतृत्व तथा नागरिकों द्वारा निरंतर भारत को पुनः उसी रूप में स्थापित करने का उद्देश्य दोहराया गया जिसमें उसे विश्व-गुरु माना जाता रहा है। भारत आज अपनी स्वतंत्रता के स्वर्णिम 75 वर्ष पूरे कर रहा है, जिसे वर्तमान सरकार द्वारा पूरे देश में स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया गया है। विकासशील राज्य शोध केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय भी इस गरिमामयी महोत्सव में स्वयं को सम्मिलित करते हुए प्रस्तुत कथ्य के माध्यम से स्वतंत्र भारत की आकांक्षाओं तथा अपेक्षाओं, उद्देश्यों व लक्ष्यों, उपलब्धियों एवं चुनौतियों, पर केंद्रित गंभीर लेखन की अपेक्षा करता है।

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

लेख मुख्य कथ्य 'स्वाधीनता का अमृत महोत्सव : भारत @ 75' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिंदी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।
2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।
3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।

4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

   क) अक्षर (फॉन्ट) - कृतिदेव 011 एवं यूनिकोड

   ख) अक्षर आकार - 14

   ग) पंक्ति अंतराल - 1.5

   घ) संदर्भ प्रारूप - ए पी ए शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए । प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (Plagiarism Software) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षकों को अग्रेषित होगा, एवं निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जाएगा ।

6. लेखक का नाम, पद तथा संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए ।

7. सह-लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है । लेखक/सह-लेखक किसी भी रूप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं ।

8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन/घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा, जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए कहीं और प्रेषित किया गया है ।

9. लेख को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा ।

10. प्रकाशित लेख विकासशील राज्य शोध केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक संपदा होगा ।

लेख प्रेषण:

लेख (घोषणा पत्र सहित) एम एस वर्ड प्रारूप में synthesis.dcrc@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है ।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि, मंगलवार, 14 सितंबर 2021 है ।

संपर्क:

पत्रिका अथवा लेख के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए संपादक मण्डल – synthesis.dcrc@gmail.com / +91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है ।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष:

ई-मेल:

तिथि: **स्थान:**